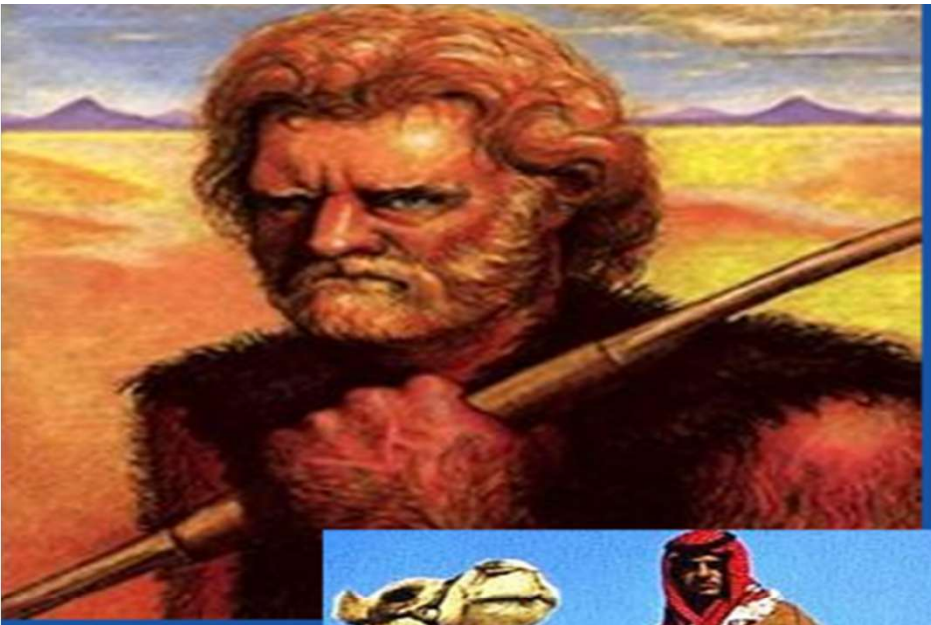

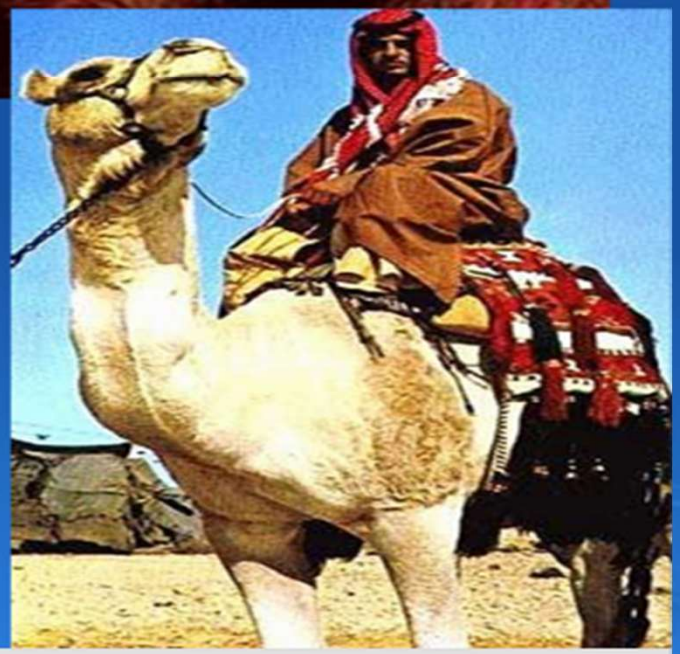

एसाव और इश्माएल के कबीलों के बीच अन्तर्विवाह

- सच्चा "अरब" इश्माएल का वंशज है।
- आधुनिक मध्य पूर्वी कबीलों में अधिकांश एसाव और इश्माएल के मिश्रण हैं।
- इश्माएल और एसाव दोनों ज्येष्ठाधिकार से वंचित पहिलौठे थे।
- उत्पत्ति २७:४० "...परन्तु जब तू बेचैन हो जाएगा, तब तू उसके जूए को अपनी गर्दन से तोड़ डालेगा।"

फिलिस्तीनी एसाव हैं "जूए को तोड़ना..."

- यह परमेश्वर के विभाजन, चुनाव और अलगाव का परिणाम है।
- इश्माएल और एसाव अस्वीकृत, इसहाक और याकूब चुने गए।
- क्या हम तटस्थ रहें, या जो हो रहा है उसे अनदेखा करें क्योंकि "ये सब बातें अवश्य घटेंगी"?

परमेश्वर मांग करता है कि हम पक्ष चुनें

- यहोवा वे विभाजन करता है जो हमें चुनने के लिए विवश करते हैं।
- चयन #१: येशु
- चयन #२: इस्राएल
- हमें मुसलमानों और फिलिस्तीनियों से घृणा नहीं करनी है।
- तथापि, हमें परमेश्वर के चुने हुओं के पक्ष में खड़ा होना चाहिए।

उत्पत्ति ३७:
यूसुफ अपने भाइयों को क्रोधित करता है

- बिलहा और जिल्पा के पुत्र ही थे जिनकी चुगली की गई।
- ईश'ईशाह = कानूनी पत्नियाँ
- मैमोनाइड्स (रम्बैम) कहते हैं कि राहेल और लेआ दोनों मर चुकी थीं।
- याकूब यूसुफ को विशेष प्रेम करता था।
- क'टोनेत पस्सीम = राजसी वस्त्र
- याकूब ने यूसुफ को राजकुमार के रूप में अभिषिक्त किया।

यूसुफ के स्वप्न

- अनाज की ११ पूलियाँ १२वीं के सामने झुक जाती हैं।
- भाइयों ने पूरी तरह समझ लिया कि इसका अर्थ यूसुफ के प्रति समर्पण है।
- परमेश्वर यूसुफ से स्वप्नों में बात करता है।
- लोग इन स्वप्नों पर विश्वास करते थे।
- स्वप्न देखने वाले का व्यक्तित्व और महत्वाकांक्षाएँ भी भूमिका निभाती थीं।
- स्वप्न एक मिश्रित वस्तु थी: परमेश्वर की ओर से एक भविष्यवाणी और स्वप्न देखने वाले की आकांक्षाओं का संयोजन।

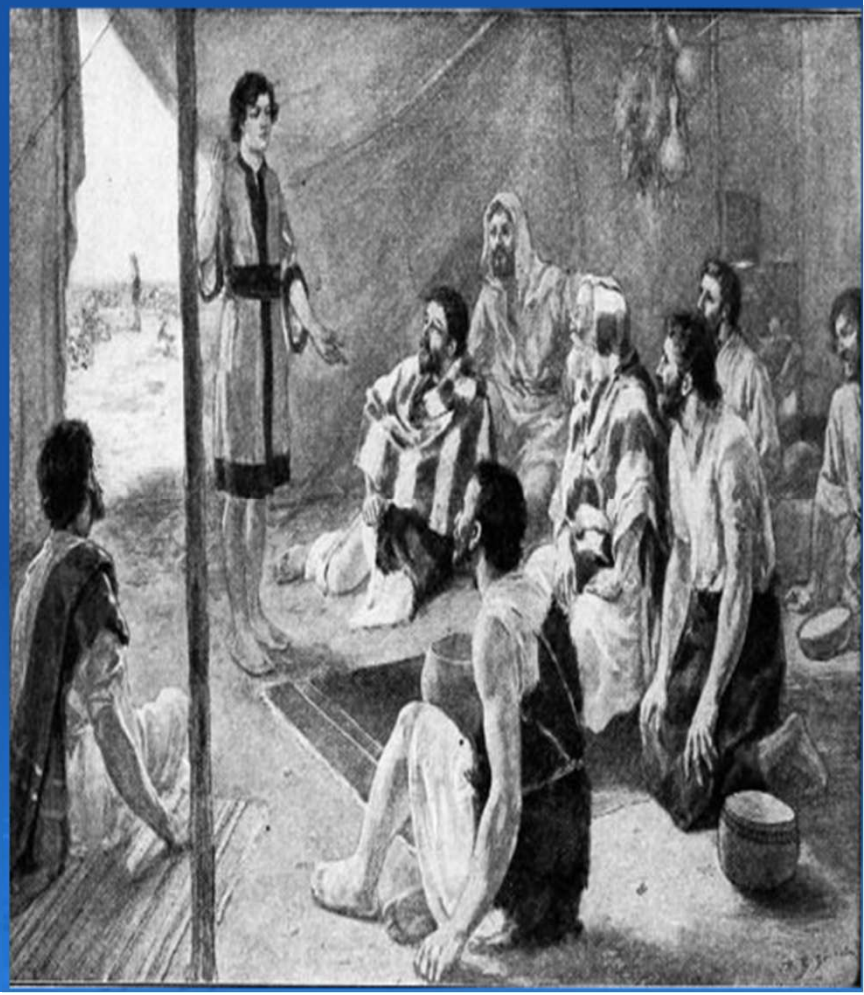

एक और स्वप्न

- पद ९ इस नए स्वप्न को उसके पूरे परिवार से जोड़ता है, जिसमें याकूब भी शामिल है।
- स्वप्न सूर्य, चन्द्रमा और तारों का था।
- यह दर्शाता है कि यहाँ तक कि उसके पिता और माता भी उसके सामने झुकेंगे।

शेकेम पर चौराहा

- झुण्ड शकेम के बाहर थे, परन्तु उनका आधार हेब्रोन में था।
- शकेम वह स्थान था जहाँ दीना के साथ बलात्कार हुआ, और उसके भाइयों ने पुरुषों को मार डाला।
- हेब्रोन और शकेम के बीच ५० मील की दूरी है।
- दोतान = “दो कुएँ”

षड्यन्त्र: यूसुफ से छुटकारा पाओ

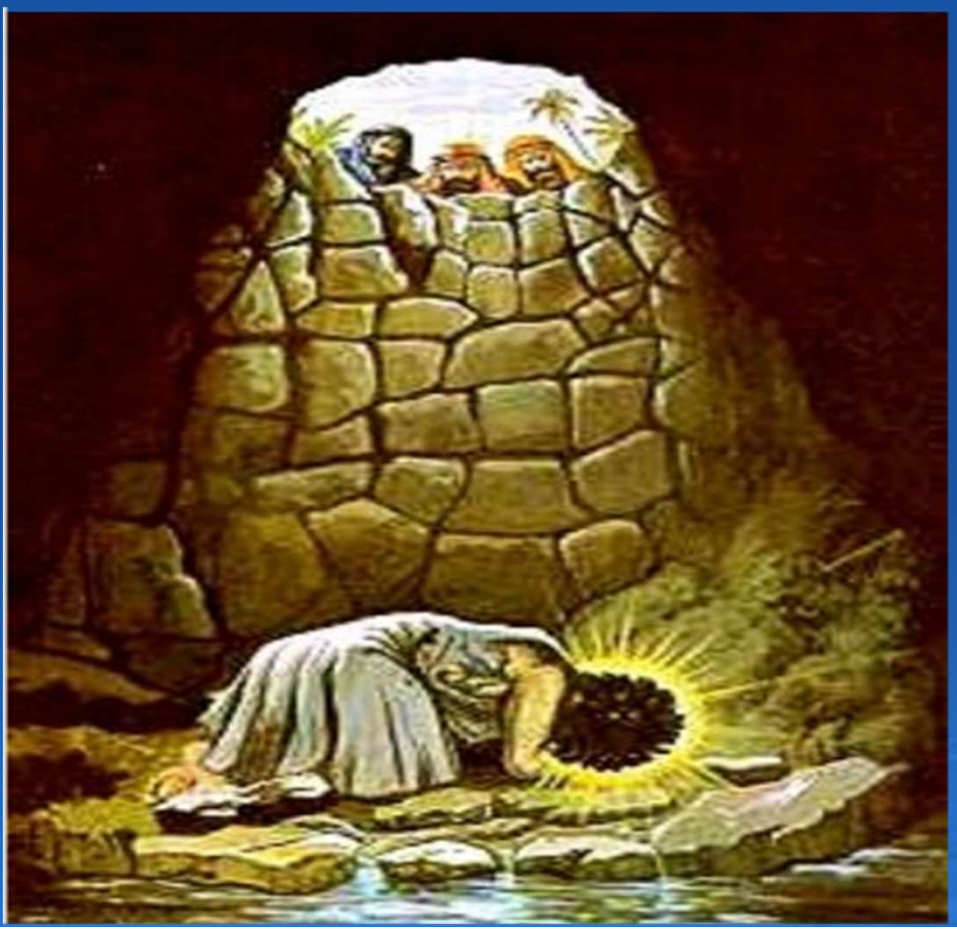

- भाइयों ने उसे आते देखा, और उसे मार डालने का इरादा किया।
- रूबेन ने हस्तक्षेप किया।
- रूबेन जानता था कि यूसुफ के साथ जो कुछ भी होगा, उसका दोष उस पर लगेगा।
- "गड्ढा" एक खाली कुआँ था।
- सूखे होने पर आमतौर पर कारागार के रूप में उपयोग किया जाता था।
- ये कठोर हृदय भाई बैठ गए और यूसुफ की विनतियों को सुनते हुए भोजन किया।

यूसुफ बेचा जाता है

- वे एक प्राचीन व्यापार मार्ग के किनारे बैठे थे।
- २० शेकेल एक पुरुष दास का मानक मूल्य था।
- फिर, धोखा।
- यूसुफ के राजसी वस्त्र पर रक्त लगाया जाता है और याकूब के सामने प्रस्तुत किया जाता है।

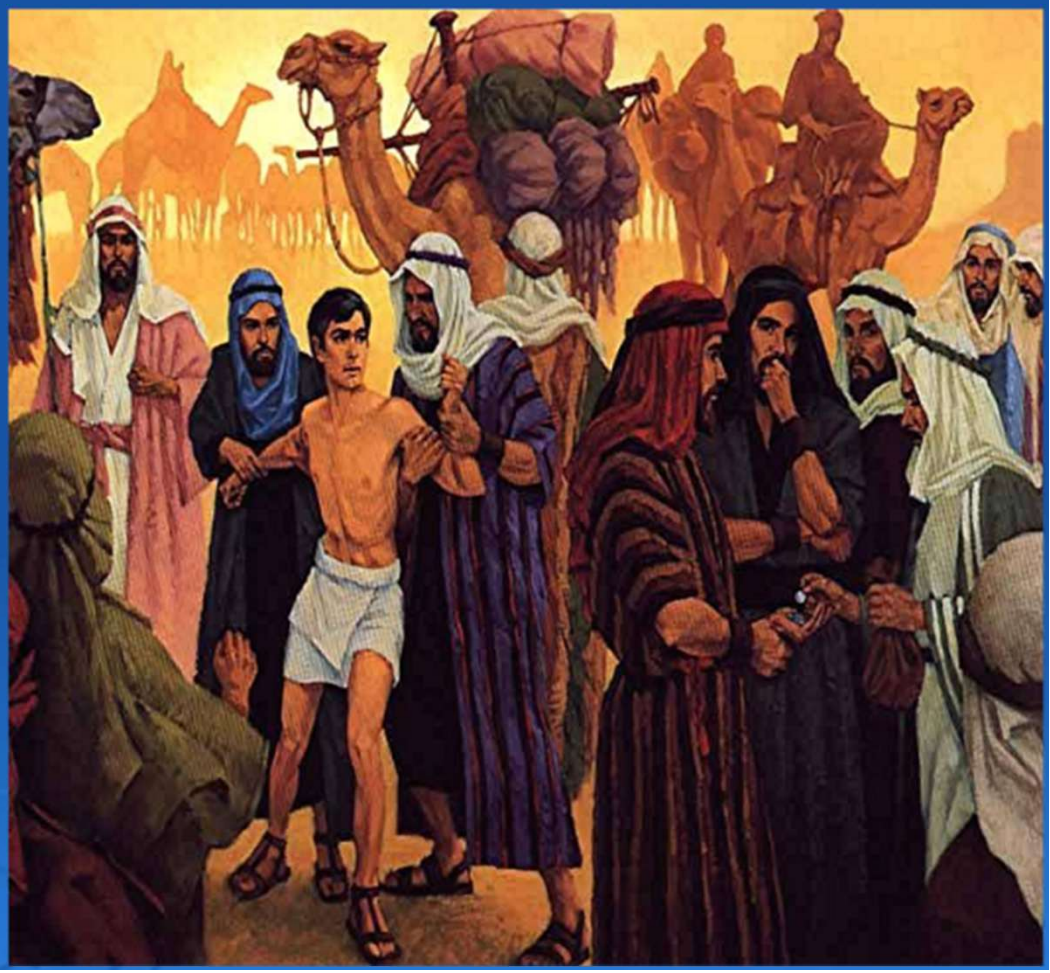

याकूब को सान्त्वना नहीं मिल सकी

- याकूब कहता है कि अब वह मर जाएगा और शेओल में उतर जाएगा।
- शेओल का अर्थ है “कब्र” या “मृतकों का स्थान”।
- यूसुफ “इश्माएलियों” को बेचा गया, फिर बाइबिल कहती है “मिद्यानियों”।
- इश्माएल हाजिरा से था।
- मिद्यान कतूरा से था।
- यूसुफ मिस्र ले जाया गया, पोतीफर को बेचा गया।
- पेत-पा-रा = रा को उपहार

उत्पत्ति ३८ : यहूदा और तामार

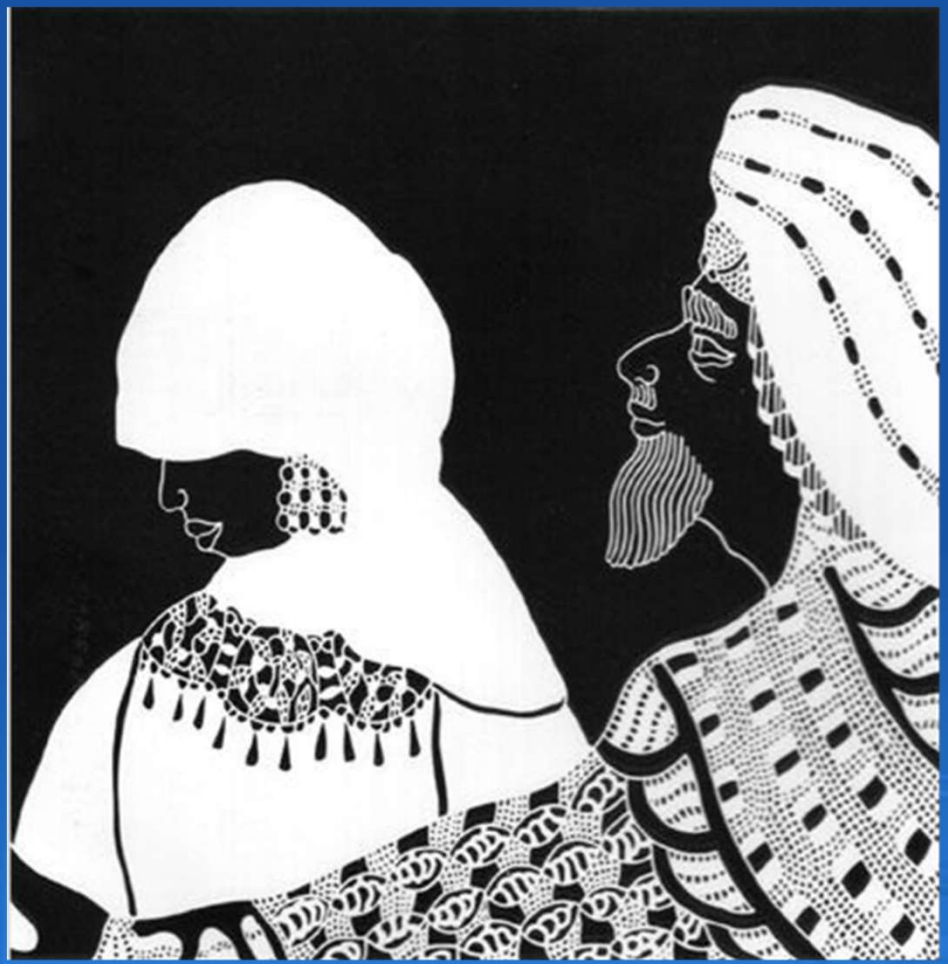

- यहूदा की वंशावली से येशु आएगा।
- यहूदा इस्राएल के गोत्र के अधिकार का उत्तराधिकारी होगा।
- यहूदा चौथा जन्मा था।
- यह यहूदा ही था जिसने यूसुफ को बेचने की इच्छा की।
- यूसुफ यहूदा का प्रतिद्वन्द्वी था।
- रूबेन ने बिलहा के साथ सोकर अपनी स्थिति खो दी।
- शिमोन और लेवी ने शकेम के सभी पुरुषों को मारकर अपनी स्थिति खो दी।

यहूदा और यूसुफ दीर्घकालिक प्रतिद्वन्द्वी बन जाएँगे

- यहूदा और यूसुफ दो इस्राएली राज्यों के शासक बन जाते हैं।
- एफ्रैम, यूसुफ का मिस्री पुत्र, कुछ समय के लिए यूसुफ का स्थान ले लेता है।
- यहेजकेल ३७ कहता है कि "एफ्रैम और यहूदा" अन्तिम दिनों में फिर एक साथ आएँगे।
- एफ्रैम = १० "खोए हुए" गोत्र
- ये गोत्र अभी भी विद्यमान हैं, और उन्हें इस्राएल में प्रवास करने की
- अनुमति दी गई है (मार्च २००५)
- यहूदी चाहते हैं कि एफ्रैम के गोत्र आधुनिक यहूदी धर्म में परिवर्तित हों।
- अभी के लिए ठीक है, परन्तु इस माँग के साथ समस्याएँ होंगी।